लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 1-15 जनवरी, 2024 www.haryanasamvad.gov.in अंक - 81

"अपनी शक्ति को पहचानें और उसी के अनुरूप कार्य करें, उसमें सफलता निश्चित है।

: श्रीमद् भागवत गीता

धर्मक्षेत्र से गूंजा गीता का उपदेश 3

अफ्रीकी देशों में ज़मीन लेकर कर सकेंगे खेती 6

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अभूतपूर्व परिणाम 7

नव-वर्ष : नव संकल्पः नव ऊर्जा 2024

हरियाणा की वर्तमान सरकार, सुशासन, क्रांति, विकास-क्रांति और पोर्टल क्रांति के साथ नव वर्ष पर नए संकल्प लेकर मैदान में उतरी है। मुख्यमंत्री के बारे में अक्सर यह बात कही जाती रही है-

'जब हाथ में कलम हो,
हो ज़ेहन में उजाला,
हर सुबह नव वर्ष है,
हर शाम दीपमाला'

अब पेंशन मिलेगी पूरे 3000

नव वर्ष से बुजुर्गों को पेंशन के रूप में पूरे 3000 रुपए मिलने जा रहे हैं। इनके अलावा विधुर तथा अविवाहित पुरुषों और महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने की भी एक अनूठी पहल की गई है। मनोहर सरकार ने पूरे देश में ऐसा कर समाज के समक्ष सेवा एवं सम्मान का नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस योजना के तहत राज्य में अब तक 12,882 विधुर तथा 2,026 अविवाहितों की पहचान की गई है।

अथ श्री सुशासन कथा

ये कथा है पुरुषार्थ की, निस्वार्थ की, परमार्थ की

विशेष प्रतिनिधि

'जीवन' को अनेक विद्वानों, समाज शास्त्रियों, संत महात्माओं व चिंतकों ने अपने-अपने अनुभव के आधार पर परिभाषित किया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, मानव जीवन मिला है, चुनौतियां तो होंगी। चुनौतियों से भागना समाधान नहीं होता, कर्म करते हुए उन पर विजय प्राप्त करनी होती है। कर्म मानव का पहला धर्म है। विपरीत परिस्थितियों में भी मन को शांत व स्थिर रखते हुए सहजता के साथ जीवन कैसे जीया जाए, गीता में इसका विस्तार से व्याख्यान है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित करवा कर पूरे विश्व में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों को पहुंचाने का प्रयास किया ताकि लोग जीवन प्रबंधन के बारे में विस्तार से ज्ञान हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरि की भूमि हरियाणा के लोगों के जीवन को सहज व सरल बनाने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने 'सुशासन' को 'सुदर्शन' का स्वरूप माना है। वर्ष 2014 में जब उन्होंने इस अभियान का शंखनाद किया तभी से बदलाव की आहट शुरू हो गई थी। व्यवस्था बदलाव के इस पथ में चुनौतियां आई, लेकिन वे उनके संकल्पों के आगे ठहर न सकी। मनोहर अडिग रहे और कर्माजीत बनकर उभरे। उन्होंने सत्य, कड़ी मेहनत, ईमानदारी व पारदर्शिता के बल पर हर मोर्चे पर विजय हासिल की। सत्य प्रताड़ित तो हुआ लेकिन पराजित नहीं हुआ।

समभाव, समदृष्टि व साफ नीयत का प्रतिफल रहा कि मनोहर लाल सबका साथ लेकर सबका विकास करते चले गए। यह उनकी नीतियों का ही असर है कि आज उनको 'खरा मनोहर' माना जा रहा है। उन्होंने सुशासन की कथा को और मजबूती के साथ लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने समस्त सरकारी कर्मचारियों को 'मिशन कर्मयोगी' बनाने का आह्वान किया है।

भ्रष्टाचार पर अंकुश, नौकरियों में पारदर्शिता, ऑनलाइन सरकारी कामकाज, पढ़ी लिखी पंचायतें, ई टेंडर प्रणाली, कर्मचारी स्थानांतरण नीति, लाल डोरा मुक्त योजना, दुर्गा शक्ति ऐप, डायल 112, आयुष्मान व चिरायु योजना, आत्मनिर्भर योजना, अंत्योद्य योजना, खेल खलिहान से जुड़ी तमाम योजनाएं, सीएम विंडो, ग्रामीण सड़क योजना, हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना, खाद्य योजना, परिवार पहचान पत्र योजना आदि अनेक ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया गया है जिनसे नागारिकों का जीवन सहज व सरल हो।

बेमिसाल रही विकास की रफ्तार

डा. चंद्र त्रिखा

यद्यपि गत नौ वर्ष की अवधि प्रदेश में 'पोर्टल क्रांति' की अवधि मानी जाती है, मगर इसके साथ-साथ सर्वतोन्मुखी विकास की रफ्तार भी बेमिसाल रही है। चाहे करनाल का कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज हो या नए जिले व नई कमिश्नरी बनाने के फैसले, सभी अद्वितीय रहे हैं।

सीएम सिटी कर्णनगरी को पिछले नौ साल में सबसे बड़ी सौगात कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज की मिली। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री ने वैसाखी के दिन 13 अप्रैल 2017 को किया था। यह देश के सबसे बड़े ओपीडी वाले मेडिकल कॉलेजों में शुमार है। 50 एकड़ क्षेत्र में यह मेडिकल कॉलेज 646 करोड़ रुपये से बनकर तैयार हुआ था। 650 बेड की क्षमता वाले मेडिकल कॉलेज का अभी पहला चरण बना है। दूसरे चरण में पांच मंजिला ट्रामा सेंटर, अस्पताल भवन, परीक्षा हॉल, स्किल-लैब, सिंगल बेसमेंट पार्किंग, आठ मंजिला छात्रावास, प्रोफेसर क्वार्टर, सामुदायिक भवन, एनिमल हाउस, बॉयोमेडिकल वेस्ट प्लांट और एयर एंबुलेंस की सुविधा मिलेगी।

रोहतक में मेट्रो की तर्ज पर बना एलिवेटेड रेलवे ट्रैक रोहतक में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनने से शहर के लोगों को पांच रेल फाटक से मुक्ति मिली है। 315 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट साल 2018 में शुरू और 2022 में पूरा हुआ। अक्तूबर 2022 में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने इसका ऑनलाइन उद्घाटन किया था। इस ट्रैक के बनने के बाद से रोहतक में बजरंग भवन, सोनीपत रोड, बस स्टैंड रोड, चिन्नोट कॉलोनी, सेक्टर छह की क्रॉसिंग पर अब जाम नहीं लगता। पांच किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन के उखाड़कर अब सड़क बनाई जानी है।

सोनीपत को मनोहर सरकार ने कई सौगातें दी हैं। पहले सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण बनाया गया और फिर कमिश्नरेट का दर्जा दिया गया। सोनीपत को नगर निगम और उपमंडल कुंडली को नगर पालिका का दर्जा मिला। इसके अलावा गोहाना को नया जिला बनाने की चर्चा चल रही है। कुंडली-मानेसर-पलवल केएमपी-एक्सप्रेस वे की सौगात भी मनोहर सरकार मैं मिली। केएमपी का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला सरकार में और इसका काम अतीत की सरकार ने शुरू हुआ लेकिन निर्माण कार्य मनोहर लाल सरकार में पूरा हो सका।

मनोहर सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में 18 सितंबर 2016 में चरखी दादरी को भिवानी से अलग करके प्रदेश का 22वां जिला बनाने की घोषणा की। 18 अक्तूबर, 2016 को हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में चरखी दादरी को जिला बनाए जाने संबंधी प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई। जिला बनने से पहले चरखी दादरी हरियाणा का सबसे बड़ा उपमंडल था। जिले में करीब 72 करोड़ की लागत से नए लघु सचिवालय का निर्माण होना है। फिलहाल काम दूसरी मंजिल तक पहुंच चुका है और अगले पांच माह के अंदर सचिवालय का निर्माण पूरा हो जाएगा। इसका लाभ ये होगा कि सभी विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे बैठने लगेंगे।

संपादकीय

नौ साल- सुशासन का तपस्या काल

अब यह स्वीकार किया जा रहा है कि हरियाणा में पिछले नौ वर्ष की अवधि, विकास की बेमिसाल रफ्तार के साथ-साथ सुशासन का तपस्या-काल सिद्ध हुई है।

इस तपस्या का ताज़ा प्रमाण गुरुग्राम में सफाई में ढिलाई के मुद्दे पर दिए गए आदेश हैं। आमजन के कार्यों में पर्याप्त सुधार के लिए सेवा का अधिकार आयोग बनाया गया और निश्चित समय में कार्य सुनिश्चित करने के लिए अवधि भी अधिसूचित की गई। सेवा का अधिकार आयोग के तहत संसाधन न मिलने पर ऑटो-अपील की व्यवस्था भी की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने प्रदेश सरकार के बेडे में कार्यरत तीन लाख कर्मचारियों को नैतिकता का पाठ पढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की। मनोहर सरकार ने विकास के मोर्चे पर भी तेजी से कार्य किया है। प्रदेश में वर्षों से लम्बित विकास के कार्यों को गति दी है। प्रदेश के प्रमुख केंद्र हिसार में एयर पोर्ट की मांग कई सालों से चल रही थी जो मनोहर सरकार के दूसरे कार्यकाल में पूरी हुई।

हिसार का महाराजा अग्रसेन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नौ साल में सरकार का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। हवाई अड्डे के दूसरे चरण के निर्माण के लिए सरकार ने 946 करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया है। इस धनराशि को अगले तीन साल तक हवाई अड्डे के निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए खर्च किया जाएगा। यात्री लाइन के अलावा कार्गो रेलवे लाइन का निर्माण भी हो रहा है। नए हवाई अड्डे के निर्माण के लिए 7200 एकड़ जमीन की व्यवस्था की गई है।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

210 कालोनियों को नियमित करने ऐलान

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रेस कांफ्रेंस में दी जानकारी

हरियाणा में संस्थागत शहरी विकास और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के दृष्टिगत अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की कड़ी में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 13 जिलों की 210 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की घोषणा की है। इनमें नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग की 103 तथा शहरी स्थानीय विभाग की 107 कॉलोनियां शामिल हैं।

चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश की सभी 2274 अनियमित कॉलोनियों की अधिसूचना को पूरा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2024 तय की है। इनमें नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं जैसे कि सड़कें, सीवरेज, जलापूर्ति और स्ट्रीट लाइट उपलब्ध करवाई जाएंगी। ऐसी कॉलोनियों के विकास के लिए अलग से 3 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, ताकि कॉलोनियों में विकास कार्य करवाए जा सकें।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जुलाई माह में हुई भारी बारिश व बाढ़ के कारण लगभग 12 जिलों में हुए फसली, संपत्ति, पशुधन व वाणिज्यिक संपत्तियों सहित हुए भारी नुकसान के लिए नागरिकों को मुआवजा दिया है। मुख्यमंत्री ने 34,511 किसानों को मुआवजा स्वरूप 97 करोड़ 93 लाख 26 हजार रुपये की राशि दी। किसानों को दिए गए मुआवजा राशि में 49 हजार 197 एकड़ का वह क्षेत्र भी शामिल है, जिसकी पुनः बिजाई कर दी गई थी। ऐसे क्षेत्र के लिए 7 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने की घोषणा पहले ही की गई थी।

जॉब ऑफर लेटर भेजे

मुख्यमंत्री ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत अस्थाई नौकरी के लिए 986 लोगों को जॉब ऑफर लेटर भेजे। उन्होंने कहा कि पहले से अनुबंध आधार पर लगे कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में पोर्ट किया गया है और नये सिरे से भी लोगों को नौकरी दी जा रही है।

टोलमुक्त होंगे आठ प्लाजा

पेहोवा-पटियाला पंजाब सीमा तक राज्य राजमार्ग-19 में कुरूक्षेत्र जिले का त्योकड़ टोल प्जाजा, होडल नूंह-पटौदा पटौदी मार्ग पर सौंध, चारोदा तथा पथरेड़ी मार्ग पर तीन टोल प्लाजा, राई-नाहरा-बहादुरगढ़ मार्ग पर बड़ोता व बामनोली टोल प्लाजा, पुन्हाना-जुरहेड़ा राजस्थान सीमा तक सुनहेरा टोल प्लाजा, फरीदाबाद और बल्लभगढ़ सोहना सड़क पर बंधवाड़ी, 'शर जोन, पाखल, नुरेरा टोल प्लाजा तथा फिरोजपुर झिरका बिवान सड़क पर अलीपुर तिगड़ा व बिवान टोल प्लाजा शामिल हैं।

गरीबी रेखा से ऊपर आए 14 लाख परिवार

विधानसभा शीतकालीन सत्र

हरियाणा विधानसभा के तीन दिवसीय शीतकालीन सत्र में अनेक विचारात्मक व रचनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान 157 प्रश्न पूछे गए, जिनमें 60 तारांकित प्रश्न थे। कुल 62 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आए जिनको एक ही विषय होने के कारण 13 में संकलित किया गया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जब उन्होंने 2014 में सरकार की बागडोर संभाली, उस समय नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2015-16 में हरियाणा की गरीबी दर 11.88 प्रतिशत थी। उनकी सरकार के सकारात्मक प्रयासों के फलस्वरूप 2019-21 में यह दर 7.07 प्रतिशत पर आ गई। इस प्रकार हरियाणा में 14 लाख 29 हजार 341 परिवार गरीबी रेखा से ऊपर आए। उन्होंने कहा कि देशभर में गरीबी रेखा की आर्थिक सीमा 1 लाख 20 हजार रुपये है, जबकि हरियाणा में यह सीमा एक लाख 80 हजार रुपये रखी गई है। इससे प्रदेश में अधिक से अधिक लोगों को राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

चिरायु योजना के एक करोड़ से अधिक कार्ड: मनोहर लाल ने सदन को जानकारी दी कि हरियाणा सरकार ने नागरिकों के कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता दिखाई है, जिसके चलते आज लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। 'आयुष्मान भारत चिरायु हरियाणा योजना' के तहत कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया गया है। योजना का विस्तार करते हुए अब इस योजना के तहत 1.80 लाख रुपये से 3 लाख रुपए वार्षिक आय वाले परिवारों को भी ईलाज का लाभ मिल रहा है। योजना के तहत 19 दिसंबर 2023 तक कुल 1,00,48,464 कार्ड बनाए जा चुके हैं। वर्ष 2011 की सामाजिक आर्थिक एवं जातीय जनगणना डाटा के तहत 28,89,287 कार्ड बनाए जा चुके हैं जबकि चिरायु योजना के तहत 71,01,289 कार्ड और चिरायु विस्तारीकरण योजना के तहत 57,888 कार्ड बनाए गए हैं।

रेवाड़ी में जल्द स्थापित होगा एम्स : मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि रेवाड़ी में केंद्र सरकार की ओर से जल्द ही एम्स स्थापित किया जाएगा। हरियाणा सरकार निरंतर केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगी। वर्ष 2015 में रेवाड़ी क्षेत्र के लोगों की मांग पर यह घोषणा की गई थी कि यहां एम्स बनना चाहिए। उन्होंने कहा हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना के अंतर्गत पलवल, फतेहाबाद, चरखी दादरी और कैथल में जल्द ही इस योजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा।

जीएसटी संग्रहण में अव्वल: मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश 34,186 रुपये प्रति व्यक्ति जीएसटी संग्रहण में बड़े राज्यों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान पर है। अक्टूबर, 2022 में राज्य का टैक्स संग्रहण 19,652 करोड़ रुपए था जो अक्तूबर, 2023 में 21 प्रतिशत वृद्धि के साथ 23,8 41 करोड़ रुपये रहा।

सरकारी नौकरियां : मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने मैरिट के आधार पर नौकरियां देने की नीति बनाई है जो पूरे देश में लोकप्रिय नीति साबित हुई है। क्लास-1 व 2 की 11,500 तथा क्लास-3 व 4 की 1 लाख 6 हजार पदों पर भर्तियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त क्लास-1 व 2 के 3,200 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया जा चुका है और ग्रुप सी व डी के लगभग 61 हजार पदों पर भर्तियां पाइपलाइन में हैं। इस प्रकार उनकी सरकार में कुल 1 लाख 67 हजार भर्तियां हो जाएंगी। जबकि कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में एचपीएससी की 8,700 तथा एचएसएससी की 93 हजार भर्तियां हुई थी।

चार विधेयक पारित

हरियाणा विधान सभा के शीतकालीन सत्र के दौरान चार विधेयक पारित किए गए। इनमें हरियाणा बकाया देय व्यवस्थापन (संशोधन) विधेयक, 2023, हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023, हरियाणा विनियोग (संख्या 5) विधेयक, 2023 व हरियाणा विनियोग (संख्या 6) विधेयक, 2023 शामिल हैं।

विधानसभा सीटें 90 से 112 होने का अनुमान

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि किसी भी राज्य में विधानसभा सीटों की संख्या और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या निर्धारित करने का अधिकार केवल परिसीमन आयोग को है। इसमें किसी भी राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं होती। मनोहर लाल ने कहा कि भविष्य में जब दोबारा परिसीमन आयोग बनेगा, उस समय हरियाणा विधानसभा, इसके सदस्यों तथा राज्य सरकार की राय ली जाएगी, उस समय अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों की संख्या 20 प्रतिशत जनसंख्या के अनुसार करने के लिए सूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी परिसीमन आयोग में हरियाणा की जनसंख्या के अनुसार विधानसभा की सीटों की संख्या 90 से बढ़कर 112 होने का अनुमान है और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों की संख्या 20 प्रतिशत जनसंख्या के अनुसार 22 होगी। हालांकि अंतिम निर्णय परिसीमन आयोग का ही होगा।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि राज्य सरकार एक व्यापक शहरी गैस वितरण नीति लाने की तैयारी कर रही है। इस नीति का उद्देश्य एक निर्धारित समय सीमा के भीतर गैस सीएनजी/पीएनजी पाइपलाइनों की स्थापना है।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार की घोषणा के मुताबिक हरियाणा की गोल्फ खिलाड़ी दीक्षा डागर को अर्जुन अवार्ड, कुश्ती में सुनील कुमार और अंतिम को अर्जुन पुरस्कार मिलेगा।

धर्मक्षेत्र से गूंजा गीता का उपदेश

संगीता शर्मा

कुरुक्षेत्र स्थित ब्रह्मसरोवर के पावन तट के किनारे आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2023 आस्था, धर्म, शिल्प, कला व लोकसंस्कृति की यादें लेकर धूमधाम से संपन्न हुआ। महोत्सव ने फिर एक बार विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बनाने का काम किया। शिल्पकारों की अद्भुत शिल्पकला के साथ-साथ दूसरे प्रदेशों की लोकसंस्कृति ने इस भव्य आयोजन को दिव्यता प्रदान करने में सहयोग किया।

महोत्सव की गूंज दुनियाभर में सनाई दी। इस महोत्सव की अनोखी छटा ने अपने आप में लोक संस्कृति को सहजने का काम किया। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर होने वाली संध्याकालीन आरती में पर्यटकों ने खूब भाग लिया, वहीं दूसरी ओर रात्रि के समय में पर्यटक इस भव्य आयोजन में रंग-बिरंगी लाइटों से सजे ब्रह्मसरोवर के तट का आनंद लेते रहे। पर्यटकों ने हरियाणवी खान-पान के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुफ्त उठाया।

महोत्सव में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक दिनेश आदि ने शंखनाद और मंत्रौच्चारण के बीच सन्निहित सरोवर पर गीता महापूजन के साथ ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर दीपदान किया।

मनोहर लाल गीता के सच्चे अनुयायीः उपराष्ट्रपति

अंतरराष्ट्रीय गीता संगोष्ठी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के व्यक्ति त्व की सराहना करते हुए उन्हें गीता का सच्चा अनुयायी बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर इनकी पहचान मनोहर है और इनकी पहचान स्पष्टवादिता,पारदर्शिता, सुचिता व उत्तरदायित्वता के लिए जाना जाता है। सच मानिये पूरे देश में एक मनोहर लाल ने गीता के संदेश को ज़मीनी स्तर पर सार्थक बनाया है। गीता महोत्सव के आयोजन से ही नहीं, अपने शासन में अपनाई जाने वाली शैली से भी गीता को सार्थक किया है।

धनखड़ ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार व राज्य सरकार गीता गवर्नेंस पर चलती है, कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रधानमंत्री गीता में दिए गए संदेश को अपनाते हुए कभी पथ भ्रष्ट नहीं होते और सदैव कर्तव्य करते रहते हैं। आज के भारत की विकास यात्रा एक बहुत बड़ा महायज्ञ है, जिसमें हर भारतीय को अपनी आहूति देनी है। हर नागरिक को आज यह संकल्प लेना चाहिए कि मेरे लिए देश सबसे पहले है। उन्होंने कहा कि यह अमृतकाल देश का गौरवकाल है और 2047 तक हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेशवासियों को दीपोत्सव और जयंती समारोह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में गीता जयंती का यह समारोह दीपोत्सव के कारण बहुत अद्भुत रहा और हजारों दीपों की दीपमाला से ब्रह्मसरोवर ही नहीं, कुरुक्षेत्र का दृश्य अद्भुत नजर आया। भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की ही भूमि पर महाभारत के युद्ध के बीच एक ऐसा शांति का संदेश दिया जो आज गीता उपदेश नाम से पूरे विश्व को प्रकाशमय कर रहा है। इस पवित्र ग्रंथ गीता में जीवन जीने का सार वर्णित किया गया है।

गीता जीवन का सारः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत करते हुए कहा कि आज बहुत ही प्रसन्नता का विषय है, जब हम लगातार आठवीं बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठियों के माध्यम से गीता का संदेश देश दुनिया तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि गीता केवल एक पुस्तक या ग्रंथ मात्र नहीं है, बल्कि जीवन का सार है। गीता सार्वभौमिक व सार्वकालिक और आज भी गीता की सार्थकता उतनी ही है, जितनी उस समय थी। विश्व को सुखी बनाने के लिए, शांति के रास्ते पर ले जाने के लिए गीता का संदेश आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब आपसी समझ देशों में बनेगी तो विश्व एक इकाई के रूप में शांति की ओर आगे बढ़ेगा, इसके लिए गीता से कोई बड़ा साधन नहीं है। गीता के माध्यम से हम दुनिया को दिशा दे सकते हैं।

जीवन प्रबंधन का सार है गीता ज्ञानः अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि व्यक्ति , समाज, राष्ट्र व विश्व की समस्याओं का समाधान श्रीमद्भागवद् गीता में समाहित है। कुरुक्षेत्र में मनाये जा रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव से आज देश-विदेश में गीता का शाश्वत संदेश पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि लगभग 5000 साल से ज्यादा समय पहले कुरुक्षेत्र की धरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से गीता का संदेश दिया था। इस संदेश में समस्य मानव जाति के लिए जीवन प्रबंधन निहित है। उस संदेश को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के माध्यम से पूरे विश्व में स्थापित करने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एक विद्वान ने कहा था कि गीता का ज्ञान, हर जगह फैलाने में सफल हों और इसकी स्वीकृति हो, तो विश्व में कभी युद्ध नहीं हो सकता। लेकिन असल मायने में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्ध के लिए प्रेरित करने और उनकी शंकाओं का समाधान करने के लिए यह ज्ञान दिया था। मगर वह युद्ध अपने लिए नहीं, बल्कि पृथ्वी पर धर्म की स्थापना और सर्वसमाज के कल्याण के लिए था।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव में आए थे, उस समय उन्होंने संकल्पना की थी कि गीता के संदेश को विश्व में प्रसारित करने के लिए इसका स्वरूप बढ़ाया जाना चाहिए। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल साधुवाद के पात्र हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री की संकल्पना को मूर्तरूप दिया और वर्ष 2016 से गीता महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दिया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में आयोजित 18वें दीक्षांत समारोह में 1,216 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई है और यह गर्व की बात है कि इनमें से 740 लड़कियां हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रांगण में स्वामी विवेकानंद की धातु की प्रतिमा का अनावरण किया और कहा कि युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद के पद चिह्नों पर चलने एवं राष्ट्र निर्माण के लिए संकल्प लेने की ज़रूरत है।

हरियाणवी लोक संस्कृति

भगवान श्रीकृष्ण का असम से भी रहा है गहरा संबंध

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमन्त बिस्वा सरमा का अभिनंदन करते हुए कहा कि मां कामाख्या देवी जी की पावन धरा असम राज्य इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का भागीदार राज्य है। उन्होंने बताया कि महाभारत के युद्ध में असम के महाराज भगदत्त के नेतृत्व में भाग लिया था। उसी क्षेत्र के महाबली घटोत्कच और महाबली बर्बरीक की दंत कथाएं तो पूरे देश में आज भी प्रचलित हैं।

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमन्त बिस्वा सरमा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में महाभारत के समय में पूरे भारत का संगम हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण का असम से गहरा संबंध था। श्रीकृष्ण की पत्नी रुकमणी असम से थी। इसलिए असम में श्रीकृष्ण को दामाद मानते हैं। महाबली भीम ने भी असम में शादी की थी। अर्जुन ने उनके राज्य पड़ोसी मणिपुर में शादी की थी।

संत रविदास तथा सिख गुरुओं की स्मृति में स्मारक

कुरुक्षेत्र में 48 कोस तीर्थ सम्मेलन के दौरान उपस्थित साधु-संतों एवं आस-पड़ौस के प्रबुद्ध लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घोषणा की कि कुरुक्षेत्र के पास पीपली में संत रविदास तथा सिख गुरुओं की स्मृति में स्मारक बनाये जाएंगे ताकि लोग उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा ले सकें। श्रद्धालुओं को कुरुक्षेत्र के पास 48 कोस के तीर्थों का भ्रमण करवाने के लिए जल्द ही बसों की सुविधा शुरू करवाने की भी बात कही। इससे पूर्व उन्होंने 48 कोस की परिधि में स्थित 182 तीर्थों की जानकारी से संबंधित एक पुस्तक का विमोचन किया और लोगों को इस पुस्तक का अधिक से अधिक प्रचार करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अभी हाल में ही 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि के 164 तीर्थों की सूची में सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण के पश्चात 18 नए तीर्थों को जोड़ा गया है, जिससे अब इस भूमि के तीर्थों की कुल संख्या 182 हो चुकी है। तीर्थों के सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण का यह कार्य अभी भी निरंतर जारी है और निकट भविष्य में इस सूची में ओर भी तीर्थों के जुड़ने की संभावना है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित हरियाणा पैवेलियन में हरियाणा के लोकगीतों एवं रागनियों से दर्शकों को सराबोर किया। हरियाणा की लोक सांस्कृतिक परंपरा का निर्वहन करते हुए युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग की ओर से हरियाणवी महिलाएं लोक परिधान में हरियाणा के जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत तक सोलह संस्कारों के गीत गाकर दर्शकों को लोक संस्कृति के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही जोगिया पार्टी नेलोक पारंपरिक रागनियों के माध्यम से दर्शकों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। हरियाणा पवेलियन में ललित कला विभाग की छात्रा कृति द्वारा सिंधु घाटी की सभ्यता पर बनाई गई कलाकृतियां सबको अपनी ओर आकर्षित किया। आभूषण और आंतरिक डिजाईन की वस्तुएं आकर्षक रही। पैवेलियन में हरियाणा की कुम्हार कला को लाईव चॉक पर कुम्हार से जुड़ी विषय-वस्तुओं को बनाते हुए प्राचीन परंपरा को जीवंत कर किया गया।

हरियाणा पैवेलियन हरियाणा के दर्शकों के लिए वरदान साबित हुई। हिसार के कमलेश मोर ग्रुप ने हरियाणवी संस्कृति की छटा को निखारने में गीतों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। हरिकेश की जोगिया पार्टी भी आल्हा, उदल के किस्सों के साथ-साथ हीर-रांझा के किस्से तथा फुटकर रागनियां गाकर युवाओं को लोक संस्कृति से जोड़ने में महत्त्व पूर्ण भूमिका अदा की। बाबा धूणीनाथ ने अपनी लोक पारंपकिर रागनियों के माध्यम से सबको अभिभूत किया। हरियाणा पैवेलियन लोक गायकी की गायन शैलियों को पैवेलियन के मंच पर प्रस्तुत कर लोक परंपरागत शैलियों को युवाओं से जोड़ा। यहां पर गंगा स्तुति, शिव स्तुति, चौपाई, मंगलाचरण, चमोला, दोहा, कडा, काफिया आदि शैलियों के माध्यम से हरियाणा की पुरानी गायकी को फिर से जीवंत करने का प्रयास किया गया।

प्रसिद्ध हरियाणवी कलाकार और हरियाणवी जीवन पर आधारित गीतों को गाने वाले और लेखन का कार्य करने वाले रामकेश जीवनपुर वाला ने प्रसिद्ध हरियाणवी गीतों से कलाकारों को मंत्र मुग्ध कर दिया। राकेश जीवनपुर वाला के साथ-साथ, हट ज्या ताऊ पाच्छे रागनी गायक राकेश भ्राणिया, पॉप सिंगर सिमरनजीत कौर, पवन राज और ग्रुप, संदीप हरियाणवी, रितु एंड डांस ग्रुप इत्यादि ने लोगों को हरियाणवी संस्कृति से ओत प्रोत गीत प्रस्तुत कर माहौल को हरियाणवी बनाया।

पुरुषोतमपुरा बाग में हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के सौजन्य से महावीर गुड्डू व गजेंद्र फोगाट नाइट का आयोजन किया गया। गजेन्द्र फोगाट ने हरियाणवी, पंजाबी गीतों के द्वारा समा बांध दिया। इसके साथ ही प्रसिद्ध लोक कलाकार डा. महावीर गुड्डू ने भी सांस्कृतिक संध्या को यादगार बनाने में अहम भूमिका अदा की।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एम्स को रेवाड़ी-नारनौल रोड (एनएच-11) से जोड़ने के लिए आरओबी के निर्माण की प्रशासनिक मंजूरी दी। लाइन पर 251.08 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक पहुंच प्रदान की जाएगी।

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय तथा मारूति सुजूकी इंडिया लिमिटेड के मध्य समझौता हुआ जिसके तहत जापान-इंडिया इंस्टीचयूट फॉर मैन्यूफैक्चरिंग की स्थापना आईटीआई कन्साला, रोहतक में की जाएगी।

से सराबोर रहा महोत्सव

हरियाणा की संस्कृति सबसे समृद्धः यशपाल शर्मा

हरियाणा की संस्कृति सबसे समृद्ध है। यहां के रीति रिवाज, परंपरा व लोक संस्कृति विश्वभर में सबसे श्रेष्ठ है। हरियाणा पैवेलियन में प्राचीन व आधुनिक हरियाणा के दर्शन हो रहे हैं। इस प्रयास के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। यह विचार फिल्म अभिनेता यशपाल शर्मा ने दिये। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा की लोक संस्कृति का बेहद सुंदर ढंग से प्रचार-प्रसार कर रहा है। ब्रह्मसरोवर के तट पर हरियाणवी संस्कृति की धूम देखकर मन प्रसन्न हुआ। उम्मीद है इस रीत को और आगे बढ़ाया जाएगा।

मानवता के लिए अत्यंत उपयोगी है गीताः गीता मनीषी

गीता स्थली ज्योतिसर में हजारों वर्ष पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म के मार्ग पर चलने के लिए गीता के उपदेश दिए थे। इस गीता स्थली ज्योतिसर से भी उपदेशों के माध्यम से पूरे देश का शान्ति का संदेश मिल रहा है। जो व्यक्ति जो देश उपदेशों का अनुसरण करेगा वे निश्चित ही तरक्की करेगा। ब्रह्मसरोवर पुरुषोतमपुरा बाग के आरती स्थल पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य गणमान्य व्यक्ति यों ने मंत्रोच्चारण के बीच सांयकालीन महाआरती करके पूजा पाठ किया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता की इस पावन धरती पर आना बहुत बड़ा सौभाग्य है। गीता की धरती का दर्शनमात्र ही मानव कल्याण की राह खोलता है। गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जो सम्पूर्ण विश्व और मानवता के लिए बहुत उपयोगी है।

अनिल विज ने कहा कि अंबाला की साइंस इंडस्ट्री के उद्यमियों को बढ़ावा मिले इसके लिए राज्य सरकार साहा ग्रोथ सेंटर के विस्तार हेतु 2,300 एकड़ भूमि की खरीद का प्रस्ताव है।

वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले राज्य के सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करवाने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा लगभग साढ़े 55 करोड़ रुपये की मुद्रण लागत मंजूर हुई है।

जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान और जय अनुसंधान

हिसार कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा है कि हमारी अर्थव्यवस्था में, देश के विकास में और स्थायित्व में किसान का बहुत बड़ा योगदान है। किसान चुनौतीपूर्ण वातावरण में कड़ी मेहनत से काम करता है। एक जमाना था जब अन्न की कमी इतनी ज्यादा थी कि अन्न बाहर से आता था। लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान- जय किसान' का नारा दिया। देश की खाद्य समस्या को पूर्ति करने के लिए यह भी कहा गया कि सप्ताह में एक दिन शाम का उपवास रखो। पूर्व में हम कहां थे और आज हम कहां आ गए हैं। यह सब हमारे किसानों की मेहनत का ही परिणाम है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार में आयोजित कार्यक्रम में किसानों तथा वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केंद्र में कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कमल गुप्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान की ओर विशेष ध्यान देते हुए 'जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान और जय अनुसंधान' का नारा दिया वह फलीभूत हो रहा है।

उन्होंने किसानों और वैज्ञानिकों से अनुग्रह करते हुए कहा कि यदि इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च, किसानी से जुड़े हुए प्रतिनिधि, उद्योग, आपस में तालमेल बैठाएं तो किसानों और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में एक बहुत बड़ा बदलाव हो सकता है। किसान विशेषकर युवा किसानों को सोचना पड़ेगा कि दुनिया में सबसे बड़ा व्यापार यदि अगर आज के दिन में कोई है, तो वह कृषि उत्पादन से जुड़ा हुआ है। गेहूं, चावल, बाजरे, मिलेट, सब्जी, फल, पशुधन, दूध आदि का एक बड़ा बाज़ार है। किसान को समझना होगा कि यदि वह बाज़ार की मांग को समझकर कार्य करे तो उसे बड़ा मुनाफ़ा हो सकता है। किसान को एक अच्छा मार्केटिंग मैकेनिज्म अपनाना पड़ेगा।

पाठ्यक्रम में कृषि उत्पाद की मार्केटिंग करें शामिल

उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान के यहां सरसों होती है, वह तेल नहीं बनाता है, किसान के यहां आलू होती है, वह चिप्स नहीं बनाता है, किसान के यहां सब्जियां होती हैं, मार्केटिंग नहीं कर पाता है। अनुसंधान परिषद के लिए सुझाव देते हुए कहा कि परिषद द्वारा युवा किसानों के लिए ऐसा पाठ्यक्रम आरंभ किया जाना चाहिए, जिसमें वे कृषि उत्पादों की मार्केटिंग को भली-भांति समझ सकें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत दूर की सोचकर किसानों के लिए कॉपरेटिव मूवमेंट को आगे बढ़ाया है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देते के लिए व्यापक अभियान चलाया है। इसके तहत गांव-गांव में महिला समूह को ड्रोन दिया जाएगा, और उस ड्रोन का वह उपयोग करेंगे ताकि फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड का छिड़काव ठीक हो जाए, जानकारी सही समय पर मिल जाए।

- संवाद ब्यूरो

राष्ट्रीय जल प्रहरी धुम्मन सिंह

जल है तो कल है, इसी पंक्ति को चरितार्थ करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा जल बचाओ अभियान के तहत अनेक योजनाओं को चलाया जा रहा है। इन योजनाओं के तहत ऐसे जल प्रहरियों को सम्मानित भी किया जा रहा है, जिन्होंने जल का संरक्षण करने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

जल संरक्षण में अपनी अहम भूमिका अदा करने पर हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमच को राष्ट्रीय जल प्रहरी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमच ने कहा कि सरस्वती नदी के उत्थान व जल संरक्षण के लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की तरफ से अंतरराष्ट्रीय जल प्रहरी के तौर पर सम्मानित किया गया है। वे अपनी इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा चलाई गई जल संरक्षण नीतियों को समर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय नीति आयोग व सरकारी टेल के द्वारा महाराष्ट्र भवन में देश के वाटर मैन राजेंद्र सिंह द्वारा उन्हे सम्मान प्रदान किया गया। देश में कुल 32 लोगों को इस राष्ट्रीय जल प्रहरी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण की इस मुहिम में अपने विशेष अभियान के चलते पिछले लंबे समय से जल संरक्षण का कार्य कर रहे और पवित्र सरस्वती नदी को भारतीय धरा पर दोबारा अवतरित करवाने के प्रयास में लगे हैं।

इस अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार को प्राप्त करने वाले धुम्मन सिंह किरमच हरियाणा के पहले और एकमात्र जल प्रहरी है। धुम्मन सिंह किरमच सरस्वती हेरिटेज बोर्ड में पिछले लंबे समय से सरस्वती नदी के गौरवशाली अतीत को दोबारा धरती पर लाने के प्रयास में लगे हैं और इसी के चलते वह जल संरक्षण की दिशा में कई प्रयास भी कर रहे हैं।

अफ्रीकी देशों में ज़मीन लेकर कर सकेंगे खेती

हरियाणा के किसान कड़ी मेहनत करके देश को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों से संवाद में कहा कि प्रदेश के मेहनती किसान अफ्रीकी देशों में जमीन लेकर खेती कर सकेंगे। राज्य सरकार की अफ्रीकी देशों से बात हुई है। इसके लिए सरकार योजना बना रही है।

पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को 11 हजार करोड़ रुपए की मुआवज़ा राशि दी है, जिसमें पिछली सरकार की बकाया 269 करोड़ रुपए की मुआवज़ा राशि भी शामिल है। सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान के सत्यापन और प्रभावित लोगों को मुआवज़े के वितरण की प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया था, जोकि कारगर साबित हुआ है।

पराली का उपयोग कर बिजली बनाने के लिए कुरुक्षेत्र, कैथल, फतेहाबाद एवं जींद में बायोमास परियोजनाएं शुरू की गई, जिनसे 30 मेगावाट विद्युत उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, पराली का उपयोग जैव ईंधन बनाने में भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई 'पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना' की 15वीं किस्त के लाभार्थी किसान भी हमारे साथ जुड़े हुए हैं। प्रदेश के 8 लाख 74 हजार किसानों को किस्त के तौर पर 175 करोड़ रुपए मिले हैं।

पराली प्रबंधन की मिसाल :

पराली प्रबंधन में हरियाणा आदर्श राज्य बना है। प्रदेश में पराली जलाने की कम घटनाएं हुई हैं। इसके लिए किसान बधाई के पात्र हैं। गत दिनों प्रदूषण के एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी पंजाब सरकार को कहा कि खेतों में आग लगाने की घटनाओं को कम करने के लिए हरियाणा से सीखो। प्रदेश में पराली जलाने के मामलों में हरियाणा में 36.4 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि पंजाब में 27.1 प्रतिशत की ही कमी दर्ज की गई है।

पंचायतों को इनाम :

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन ग्राम पंचायतों को 1 लाख रुपए का इनाम दिया जाता है, जो फसल अवशेष जलाने के मामले में अति संवेदनशील गांवों की श्रेणी से निकलकर शून्य फसल अवशेष जलाने की श्रेणी में आ जाती हैं। इसी प्रकार से उन पंचायतों को 50 हजार रुपए का इनाम दिया जाता है, जो संवेदनशील गांवों की श्रेणी से निकलकर शून्य फसल अवशेष जलाने की श्रेणी में आ जाती हैं। किसानों को 80,071 फसल अवशेष प्रबंधन उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं।

मशीनों की खरीद के लिए अनुदान :

प्रदेश के किसानों को अब तक 685 करोड़ रुपए सब्सिडी के रूप में प्रदान किए जा चुके हैं। चालू वित्त वर्ष में अब तक 6,130 मशीनें किसानों द्वारा अनुदान पर खरीदी गई हैं। इन मशीनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इन-सीटू एवं एक्स सीटू प्रबंधन करने पर 1,000 प्रति एकड़ की दर से प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है। अब तक लगभग 1 लाख 42 हजार किसानों ने 13.1 लाख एकड़ धान क्षेत्र को प्रबंधित करने हेतु पंजीकरण करवाया है, जिस पर किसानों को लगभग 131 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाई जा रही है।

गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के तहत सेक्टर-103/106, सेक्टर-102ए/103, 102/102ए, 106/109 तथा सेक्टर 75/75ए की मास्टर रोड डिवाइडिंग का अपग्रेडेशन और विशेष मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

हरियाणा सरकार की ओर से पीएम - विश्वकर्मा योजना के तहत कॉलेज जाने वाली श्रमिक की बेटी को इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए 50 हजार तथा श्रमिक को साइकिल खरीदने के लिए पांच हजार रुपए दिए जाएंगे।

मोदी की गारंटी

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अभूतपूर्व परिणाम

मनोज प्रभाकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। उससे पूर्व मोदी का संकल्प है कि भारत दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित हो। यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि जहां लोगों की उम्मीदें कमजोर पड़ने लगती हैं वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। उन्होंने संकल्प लिया है कि अंत्योद्य की भावना से देश के हर क्षेत्र का विकास हो। कोई गरीब भूखा न रहे और कोई वर्ग वंचित न रहे। देश तरक्की करे। आने वाली पीढ़ियों को किसी अभाव या संकट का सामना न करना पड़े।

सबका साथ सबका विकास की राह पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देशन में पूरे देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा का उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक न केवल पहुंचाना है बल्कि उनके फायदे के बारे में जागरूक भी करना है। प्रदेश की मनोहर सरकार का उद्देश्य है कि समाज का कोई भी गरीब तबका गरीब न रहे, सरकार की योजनाओं को जाने और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं।

हरियाणा प्रदेश ने अवधारणाओं को फिर से परिभाषित करने की प्रवृत्ति हासिल कर ली है। शासन के अर्थ को फिर से गढ़ा गया है। इसे सुशासन का रूप देना और लोगों के दर तक ले जाकर सार्थकता प्रदान करना मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दृष्टि से प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 नवंबर, 2023 को शुरू की गई बहु-प्रतीक्षित विकसित भारत संकल्प यात्रा को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अभिनव रूप से एकीकृत किया है। वे जनसंवाद के जरिए लोगों तक पहुंच रहे हैं और उनकी हर शिकवा शिकायत को सुनकर उनके समाधान का प्रयास कर रहे हैं।

> प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप वर्ष 2047 तक विकासशील भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इस संकल्प को मूर्तरूप देने के लिए जनसंवाद कार्यक्रमों को विकसित भारत संकल्प यात्रा से संबंद्ध किया गया है ताकि समाज की अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा जा सके और उन्हें राजकीय योजनाओं का लाभ दिया जा सके।
>
> **मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा**

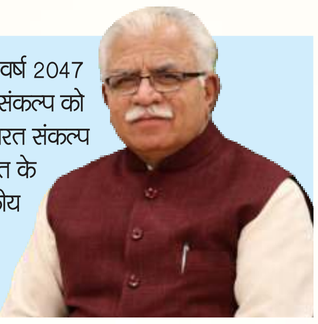

ऐसा पहली बार हुआ है

मुख्यमंत्री लोगों के बीच जाकर केंद्र व राज्य सरकार की तमाम योजनाओं व सेवाओं का अनुभव भी प्राप्त कर रहे हैं ताकि उनमें सुधार की संभावनाओं को तलाशा जा सके। संकल्प यात्रा शहर हो या गांव, जहां से भी गुजर रही है स्थानीय लोग बढ़ चढ़कर उसमें प्रतिभागी बन रहे हैं और अधिकारियों के सामने अपनी बात रख रहे हैं। आम लोग खास लोगों के साथ मिलकर स्थानीय मुद्दों पर दिल खोल कर बात कर रहे हैं, सूबे में ऐसा पहली बार हुआ है।

संकल्प यात्रा के दौरान पेंशन योजना, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी बुनियादी जानकारियों के अलावा कृषि व बागवानी के बारे में मौके पर ही जानकारी दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 30 नवंबर 2023 को फरीदाबाद के फतेहपुर गांव से 'संकल्प यात्रा' शुरू की थी। यात्रा के प्रथम पखवाड़े में 8,39,536 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसने पूरे प्रदेश के लोगों में उत्सुकता एवं उत्साह का संचार करने का काम किया।

समानता के प्रति भरोसा जमा

संकल्प यात्रा की गति और सफलता बढ़ती जा रही है। ऐसा होना स्वाभाविक था, क्योंकि संकल्प यात्रा में लोगों को समाधान मिल रहा है। सरकारी योजनाओं से नाउम्मीदी रखने वाले लोग भी अब आशावान नजर आने लगे हैं। इस तरह के लोगों का बड़ा वर्ग रहा है जो सरकारी योजनाओं को कागजी खानापूर्ति मान बैठे थे। जब से मनोहर सरकार ने अंत्योद्य की भावना से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच बनाई है, तब से उनकी अवधारणाएं बदल गई हैं।

मनोहर सरकार में निः संदेह हाशिए पर गए लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है। इतना ही नहीं जो लोग योजनाओं के लाभार्थी होने की श्रेणी में नहीं आते थे, और धक्के से लाभार्थी थे, को बाहर किया गया है। इससे गरीब व पिछड़े वर्ग के लोगों में सरकार की पारदर्शिता एवं समानता के प्रति भरोसा प्रगाढ़ हुआ है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना तथा उज्ज वला योजना के तहत गैस कनेक्शन व चूल्हा मुहैया कराना संकल्प यात्रा का हिस्सा रही है। इस दौरान परिवार पहचान पत्रों में हुई त्रुटियों को भी दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। इनके अलावा पेयजल, सिंचाई जल, बिजली, लाल डोरा, सड़क व खेत खलिहान से संबंधित शिकायतों के समाधान का भी संबंधित अधिकारियों की ओर से प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मनोहर सरकार ने जिस मेहनत, ईमानदारी व पारदर्शिता से नीतियों को लागू किया है उनसे समाज के लोगों में सरकार के प्रति भरोसा प्रगाढ़ हुआ है। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' भरोसे के इन दस्तावेजों पर 'हस्ताक्षर' करने में सफल हो रही है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन लर्निंग और ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग के लिए जनवरी 2024 सत्र की दाखिला प्रक्रिया शुरू, दाखिले की अंतिम तिथि 31 जनवरी, 2024 है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में 25 दिसंबर तक 3439 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान 23 लाख 72 हजार 359 से अधिक लोगों ने भाग लिया और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया।

लोक के राम

**'लोभ मोह उरै दोनूं ए कोन्या,
उरै धरम तुलै सै हमेश।
चाल्लो हे बहना, राम भजनियां के देस।'**

हरियाणे के माणस लोभ-लालच अर् मोह-माया तै कोसां दूर होवैं सैं। आड़े के लोग साधु-महात्माओं, गुरू-पैगबंरों की बतायी होई राही पै ऐ चालते आये सैं। हाळी-पाळी, भगवान म्हं ध्यान लगाणियां अर गरुआं के इस प्रदेस मं, हरेक मौके पै राम याद कर्या जा सै। कातक का तै सारा म्हीना राम नै याद करण मं जा सै।

हरियाणे की कंवारी छोरियां कातक मं राम-भगती के गीत गाती होई मुंह अंधेरे ऐ किसे नदी, धानै, ताल, कुएं, जोहड़ के सीळे-सीळे पाणी मं गोते मार कै आपणे ताहीं आच्छै से बर की राम जी तैं चाहना करा करै। न्यूं तै हरियाणे मं रहण आळे हरेक माणस की नस-नस मं राम बसा होया सै। हाड़ै गाण आल्लै बोहत सारे गीतों मं राम का जिकर करा जा सै। बोहत से गीतां की टेक के आखर मं 'हे राम', 'हो राम', 'हे री कोय राम मिले भगवान' ,'राम की सूं' आदि शब्द सुणे जा सकैं सैं। जड़े ताहीं कात्तक मींहने के लोकगीतां की बात करैं तै राम की सारी जीवणी का ए बखान कर्या गया सै।

लोक गीतां मं ऐ नहीं, बल्कि राम-नाम तै हरियाणे के एक-एक माणस कै दिलां मं रच-बस रह्या सै। आड़े के लोगां के तै पहली बार रामाकिशनी (अभिवादन) के ऐ शब्द 'राम-राम' अर् 'जय राम जी की' सैं। हां या बात जरूर सै अक देश आजाद हौण के बाद सहज-सहज लोग इस 'शाश्वत शब्द' के फायदे भूलते जारे सैं। कहणा पड़ैगा, इस शब्द की जगहां आपस मं बोलचाल, आदर-भाव अर् नरमाई दिखाण खातर 'नमस्ते' अर 'नमस्कार' नै ले ली सै। इतणी ऐ बात कोन्या, त्यौहारां पै कीतणे खुशी के मौकां पै भी घर के अगले दरवाजे के धोरे के कोल्यां नै गां के गोबर म्हां पिल्ली माटी मिला कै लीप्या जा सै अर फेर उस पै सफेदी करके गेरू तैं 'राम-राम' लिख्या जावै सै। अच्छा, इन बातां तैं न्यारी एक दूसरी बात भी सै, जब लोक-समाज या गाम-राम म्हां कोय दुःख भरी घटना घट ज्या जब भी दुःखी होकै 'हे मेरे राम', 'हे राम जी' तनै यू के कर्या? लोगां के मुंह तै ना चाह कै भी लिकड़ जा सै। और तै और कोय किसै गरीब, कमजोर न सतावै अर् ओ सताया होया माणस बदला लैण की बनीस्पत 'राम जी' की अदालत में ऐ न्यूं कह कै गुहार लगावै सै- 'हे राम गरीब की आत्मा सताण आळे नै तूं हे देखिए।' सै ना चौगरदे नै रामै-राम। नीचे राम, ऊपर राम। 'चांद की मां राम-राम, दूध अर दळिया दिये राम।'

इन सब परम्पराआं की, रीतां की, संस्कारां की शुरू तै हे कोय नै कोय वैज्ञानिक वजह ज़रूर पावै सै, पर बखत, जगहां, काल अर इतिहास की गैलां लटपट हो कै, हम तै इननै किब के भूल-बिसरगे सां।

राम नै हम जिसे भी रूप मं मानैं, इतणा तै पक्का सै के हरियाणे के जनमाणस मं रम्या होया सै 'राम' शब्द। इस बात की जीती-जागती मिसाल याह सै के आड़े के लोगां के नामां कै आगे-पाछै भी राम लगाया जावै सै, ज्यूकर 'राम भगत', मांगेराम आदि।

जड़ै तांही हरियाणे के लोक गीतां की बात करैं तै, कातक मींहने मं तै तड़कै अर सांझ गामां के शांति भरे माहौल मं लोकगीतां के मीठे-मीठे बोल गूंजते रवैंह सैं। इन गीतां मं आपणी किस्म की रामायण सै, आपणी ऐ कथा सै, आपणे ऐ भाव सैं। आपणे ऐ बिचार सैं अर आपणी ऐ सोच सै।

भाई का प्यार-परेम राम की नर लीला, राम की ज़िंदगी मं लोगां की राय का महत्त्व, राम का दयालु रूप आदि बखाण करण आले इस गीत मं राम न्यूं कवैह सैं-

'के रे सुनैंगे रे बीरा अयोध्या मं,
के रे कहैंगे मरद अर बीर।
साधु जन बोलिए, रे मेरे बीर।'

इन लोक कथाओं नैं सुण कै इसा लागै सै के लोक मानस का यू बराबर ध्यान रहवै सै के राम का एक अवतारी मानव होण के नाते आध्यात्मिक महत्त्व भी सै। याहे भावना चारों ओड़ फैली हुई सै।

आखिर मं कहणा पड़ैगा के म्हारी संस्कृति की जड़ 'लोक के राम' नै किसे वाद, सम्प्रदाय, धरम, जात तै न्यारै हो कै देखणा पड़ेगा जिबय तै राम की सार्थकता सिद्ध हो कै नै शील, शक्ति अर सौंदर्य की गैल्यां कदीमी मूल्यां की स्थापना हो सकैगी। याहे तै सै- 'लोक के राम' की पिछाण।

डॉ. राजकला देशवाल

नए साल की राम राम

हरियाणा की संस्कृति में राम शब्द बहुत गहरे तक विराजमान है। हो सकता है दुनियाभर में हरियाणा ही ऐसी भूमि हो जहां राम का नाम सबसे ज्यादा बोला जाता है। यहां नमस्ते को राम राम आमतौर पर कहा जाता है। आने पर राम राम, जाने पर राम राम। सुबह उठते राम राम, रात सोते राम राम।

कोई काम शुरू करना हो तो राम राम, कहीं धार्मिक स्थल पर जाना हो तो राम राम। यहां के लोग हर सांस में राम-राम कहते प्रतीत होते हैं।

कोई आदमी ठीक या गलत काम करता हो तो उसे टोकने वाले अक्सर कह देते हैं, राम देखै सै। कोई किसी के साथ अन्याय कर दे तो कहा जाता है, कोई बात ना, राम देखै सै, राम न्याय करैगा। इससे भी आगे कहते हैं तनै भी राम के घर जाना सै, इस्सा जुल्म ना करै। पंचायत में कोई झूठ बोलता हो तो उसे टोकते हुए कहा जाता है राम तै डर ले। आड़ै तो तेरी चाल ज्यागी पर उड़ै राम धोरै जाकै के जवाब देगा। आदि।

कुछ कहावतें हैं
जिनमें राम विराजमान हैं। जैसे
हिम्मती का राम हिमाती,
आंधे की माक्खी राम उड़ावै,
अपने को राम से बड़ा समझना, आदि।

सूबे में आसमान की ओर देखकर भी अक्सर कहा जाता है, राम में आज तो बादल होरे सैं। मौसम खराब हो तो कहा जाता है आज तो राम बरसण नै होर्या सै। राम नै चमासा ए कर दिया। आज तो राम बोहत बरस्या। राम नै डबो दिए। राम भी चाळै कर र्या सै।

लोहड़ी पर्व

नए साल की शुरुआत के साथ ही त्योहारों का आगाज हो जाएगा। साल का पहला त्योहार लोहड़ी है। लोहड़ी का त्योहार केवल पंजाब और हरियाणा तक सिमटा नहीं है, बल्कि पूरे देश में इसे धूमधाम से मनाया जाता है। लोहड़ी का त्योहार पौष के महीने में आता है जिसे आम बोलचाल की भाषा में पूस का महीना भी कहते हैं। साल 2024 लोहड़ी का पर्व 14 जनवरी, रविवार को मनाया जाएगा। इस दिन लोग अपने कई शुभ काम जैसे कि गृह प्रवेश, मुंडन या नामकरण आदि करते हैं। नई दुल्हन या नए जन्में बच्चों के लिए पहली लोहड़ी काफ़ी महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन लोग पवित्र अग्नि में खील, तिल, धान के साथ मक्का, गुड़ और रेवड़ी, मूंगफली अर्पित करते हैं। इस दिन लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को बधाई देते है। लोहड़ी के अगले दिन 15 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जाएगी।

लोहड़ी का अर्थ

लोहड़ी को पहले 'तिलोड़ी' कहा जाता था। यह शब्द तिल तथा रोड़ी शब्दों के मेल से बना है, जो समय के साथ बदल कर लोहड़ी के रूप में प्रसिद्ध हो गया। मकर संक्रांति के दिन भी तिल-गुड़ खाने और बांटने का महत्त्व है। पंजाब के कई इलाकों मे इसे लोही या लोई भी कहा जाता है। इस दिन सूर्य देव की अराधना की जाती है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य अपनी उत्तरायणी गति प्रारंभ करता है। इस दिन जप, तप, ध्यान और धार्मिक क्रियाकलापों को अधिक महत्व होता है। इस दिन विशेष तौर से खिचड़ी का दान व सेवन किया जाता है।

लोहड़ी के त्योहार का उद्देश्य

सामान्तः त्योहार प्रकृति में होने वाले परिवर्तन के साथ-साथ मनाये जाते हैं। लोहड़ी के बारे में कहा जाता है कि इस दिन वर्ष की सबसे लंबी अंतिम रात होती हैं इसके अगले दिन से धीरे-धीरे दिन बढ़ने लगता है। साथ ही इस समय किसानों के लिए भी उल्लास का समय माना जाता हैं। खेतों में अनाज लहलहाने लगते हैं और मौसम सुहाना-सा लगता हैं, जिसे मिल-जुलकर परिवार एवं दोस्तों के साथ मनाया जाता हैं। इस तरह आपसी एकता बढ़ाना भी इस त्योहार का उद्देश्य हैं।

विशेष पकवान

लोहड़ी के दिन विशेष पकवान बनते हैं - जिसमें गजक, रेवड़ी, मूंगफली, तिल-गुड़ के लड्डू, मक्का की रोटी और सरसों का साग प्रमुख होते हैं। लोहड़ी से कुछ दिन पहले से ही छोटे बच्चे लोहड़ी के गीत गाकर लोहड़ी हेतु लकड़ियां, मेवे, रेवड़ियां, मूंगफली इकट्ठा करने लग जाते हैं।

लोक गीत

सुंदर मुंदरिये हो, तेरा कौन विचारा हो,
दुल्ला भट्ठी वाला हो, दुल्ले दी धी व्याही हो,
सेर शक्कर पाई हो, कुड़ी दे जेबे पाई हो,
कुड़ी दा लाल पटाका हो, कुड़ी दा सालू पाटा हो,
सालू कौन समेटे हो, चाचे चूरी कुट्टी हो,
जमीदारां लुट्टी हो, जमीदारां सदाए हो,
गिन-गिन पोले लाए हो, इक पोला घट गया,
ज़मींदार वोहटी ले के नस गया, इक पोला होर आया,
ज़मींदार वोहटी ले के दौड़ आया,
सिपाही फेर के लै गया, सिपाही नूं मारी इट्ट,
भावें रो ते भावें पिट्ट,
साहनूं दे लोहड़ी, तेरी जीवे जोड़ी।

-संवाद ब्यूरो

नव वर्ष के आगमन पर

प्रेम गीत गाएं
सहज सरल मन से
सब को गले लगाए
ऊंच नीच भेद भाव के
अंतर को मिटाएं
नव वर्ष के आगमन पर
प्रेम गीत गाएं
शिक्षा का उजियारा हम
घर घर पहुंचाएं
पर्यावरण की चिंता करे
पेड़ फिर लगाएं
नव वर्ष के आगमन पर
प्रेम गीत गाएं
स्वच्छता अभियान को
समझें समझाएं
योग प्राणायाम कर स्वस्थ
हम हो जाएं
नव वर्ष के आगमन पर
प्रेम गीत गाएं
देश प्रेम का जज्बा सभी
जन मन में लाएं
माँ भारती के चरणों में
शीश सब झुकाएं
नव वर्ष के आगमन पर
प्रेम गीत गाएं ।

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com